भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1924

जिसका उत्तर दिनांक 05.08.2021 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना

1924 श्री राजमणि पटेल :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में 21 नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र को स्थापित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन नई परियोजनाओं के पूरा होने के चरण का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग घरेलू और वाणिज्यिक उद्देश्यों हेतु बिजली की आपूर्ति के लिए किया जा सकता है;

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न ऊर्जा देश को कोयले और ऊर्जा के पारम्परिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने में सहायक सिद्ध होगी; और

(छ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) तथा (ग) विवरण अनुलग्नक में दिए गए हैं ।

(घ) तथा (ङ) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों द्वारा उत्पादित बिजली ग्रिड में फीड की जाती है जहां से इसे कंपनियों को वितरित कर विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को वितरित किया जाता है ।

(च) तथा (छ) कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधनों की सीमित प्रकृति और नाभिकीय विद्युत की बड़ी संभावना और पर्यावरण से अनुकूलता को देखते हुए नाभिकीय ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा के साथ दीर्घ काल में कोयले पर निर्भरता को कम कर सकती है ।

* * * * *

अनुलग्नक

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (MW)	भौतिकीय प्रगति (जून, 2021 के अनुसार) / स्थिति विवरण
निर्माणाधीन परियोजनाएं				
गुजरात	काकरापार	केएपीपी-3[$] तथा 4	2 X 700	96.3%
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी-7 तथा 8	2 X 700	86.4%
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-3 तथा 4	2 X 1000	51.2%
		केकेएनपीपी-5 तथा 6	2 X 1000	29 जून, 2021 को कंक्रीट की प्रथम भराई (एफपीसी) के साथ निर्माण का कार्य आरम्भ हुआ ।
	कल्पाक्कम	*पीएफबीआर*[&]	1 X *500*	97.64%
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 तथा 2	2 X 700	नाभिकीय भवन-1 में आधारित स्तंभों की ढ़लाई का कार्य पूरा हो गया है जबकि नाभिकीय भवन-2 में पूरा होने वाला है ।
प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी संस्वीकृत परियोजनाएं				
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 तथा 6	2 X 700	पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रगति पर हैं ।
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-3 तथा 4	2 X 700	
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 तथा 2	2 X 700	
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 तथा 2	2 X 700	
		माही बांसवाड़ा-3 तथा 4	2 X 700	

$ केएपीपी-3 (700 MW) को 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड के साथ जोड़ दिया गया ।

& भाविनी द्वारा क्रियान्वित